UP Board Class 12 Economics Notes Chapter 5 सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था (समष्टि अर्थशास्त्र)

❇ बजट :-

? यह आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की अनुमानित व्ययों एवं अनुमानित प्राप्तियों का वार्षिक वित्तीय विवरण है ।

❇ बजट के मुख्य उद्देश्य :-

1. संसाधनों का पुनः आवंटन
2. आय व धन का पुनः वितरण
3. आर्थिक स्थिरता
4. सार्वजनिक उद्यमों का प्रबन्ध
5. आर्थिक विकास
6. निर्धनता एवं बेरोजगारी उन्मूलन

❇ बजट के घटक :-

? बजट को दो भागों में बाँटा जाता है :-

(a) राजस्व बजट
(b) पूँजीगत बजट

❇ राजस्व बजट :-

? राजस्व बजट सरकार की वित्तीय वर्ष में अनुमानित राजस्व प्राप्तियों व राजस्व व्यय का ब्यौरा है ।

❇ पूंजीगत बजट :-

? पूंजीगत बजट एक वित्तीय वर्ष में अनुमानित पूंजीगत प्राप्तियों तथा अनुमानित पूंजीगत व्ययो का विवरण है ।

❇ बजट प्राप्तियाँ :-

? इससे तात्पर्य एक वित्तीय वर्ष की अवधि में सरकार की सभी स्रोतों से अनुमानित मौद्रिक प्राप्तियों से है ।

? बजट प्राप्तियों को निम्न दो उप – वर्गों में बाँटा जा सकता है :-

राजस्व प्राप्तियाँ
पूँजीगत प्राप्तियाँ ।

❇ राजस्व प्राप्तियां :-

? यह वह प्राप्तियां होती है जिनसे सरकार की परिसंपत्तियों में कोई कमी नहीं होती ।

? उदाहरण :- (सार्वजनिक क्षेत्र की उद्गमो कि आय)

❇ पूंजीगत प्राप्तियां :-

? यह वे प्राप्तियां होती है जिनसे सरकार की देयता उत्पन्न होती है ।

?उदाहरण :- (सरकार द्वारा ऋणों के माध्यम से कोष प्राप्त करना)

❇ राजस्व प्राप्तियाँ ओर पूंजीगत प्राप्तियां में अंतर :-

राजस्व प्राप्तियाँ	पुँजीगत प्राप्तियाँ
ये सरकार की परिसम्पत्तियों को कम नहीं करती हैं ।	ये सरकार की परिसम्पत्तियों को कम कर देती है ।
ये सरकार के दायित्वों में वृद्धि नहीं करती है ।	ये सरकार के दायित्वों में वृद्धि करती है ।
ये आवर्ती प्रकृति की होती है ।	ये आवर्ती प्रकृति की नहीं होती ।

❇ प्रत्यक्ष कर :-

? प्रत्यक्ष कर वह कर है जो उसी व्यक्ति द्वारा दिया जाता है जिस पर वह कानूनी रूप में लगाया जाता है । इस कर का भार अन्य व्यक्तियों पर नहीं टाला जा सकता है ।

? उदाहरण :- आय कर , सम्पत्ति कर ।

❇ अप्रत्यक्ष कर :-

? अप्रत्यक्ष कर वे कर हैं जो लगाए तो किसी एक व्यक्ति पर । जाते हैं किंतु इनका आंशिक या पूर्ण रूप से भुगतान किसी अन्य व्यक्ति को करना पड़ता है । इस कर का भार अन्य व्यक्तियों पर टाला जा सकता है ।

? उदाहरण :- बिक्री कर , मूल्य वृद्धि कर (VAT) , GST

❇ बजट व्यय :-

? इससे तात्पर्य एक वित्तीय वर्ष की अवधि में सरकार द्वारा विभिन्न मदों के ऊपर की जाने वाली आनुमानित व्यय से है ।

❇ बजट व्यय के प्रकार :-

? बजट व्यय को निम्न दो मुख्य उप वर्गों में बाँटा जाता है ,

1. राजस्व व्यय
2. पूँजीगत व्यय

https://www.evidyarthi.in/

❇ राजस्व व्यय :-

? ये सरकार की परिसम्पत्तियों में वृद्धि नहीं करते हैं । ये सरकार के दायित्वों में कोई कमी नहीं करते हैं । जैसे – ब्याज का भुगतान , आर्थिक सहायता , कानून व्यवस्था बनाये रखने पर व्यय आदि । ये आवर्ती प्रकृति के होते हैं ।

❇ पूँजीगत व्यय :-

? ये सरकार की परिसम्पत्तियों में वृद्धि करते हैं । सरकार के दायित्वों में कमी करते हैं । जैसे विद्यालय भवनों का निर्माण , पुराने ऋण का भुगतान , वित्तीय परिसम्पत्तियों का क्रय इत्यादि । ये आवर्ती प्रकृति के नहीं होते ।

❇ राजस्व घाटा :-

? जब सरकार के कुल राजस्व व्यय उसकी कुल राजस्व प्राप्तियों से अधिक हो ।

❇ राजस्व घाटे के प्रभाव :-

1. यह सरकार की भावी देनदारियों में वृद्धि करता है ।
2. यह सरकार के अनावश्यक व्ययों की जानकारी देता है ।
3. यह ऋणों के बोझ को बढ़ाता है ।

❇ राजकोषीय घाटा :-

? कुल व्यय की उधार रहित कुल प्राप्तियों पर अधिकता ।

❇ राजकोषीय घाटे के प्रभाव :-

1. यह मुद्रा स्फीति को बढ़ाता है ।
2. देश ऋण – जाल में फंस जाता है ।
3. यह देश के भावी विकास तथा प्रगति को कम करता है ।

❇ प्राथमिक घाटा :-

? राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटाने से प्राथमिक घाटे का पता चलता है ।

❇ प्राथमिक घाटे के प्रभाव :-

1. इससे पता चलता है कि भूतपूर्व नीतियों का भावी पीढ़ी पर क्या भार पड़ेगा ।
2. शून्य या प्राथमिक घाटे से अभिप्राय है कि सरकार पुराने ऋणों का ब्याज चुकाने के लिए उधार लेने को मजबूर है ।
3. यह ब्याज अदायगियों रहित राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए सरकार की उधार जरूरतों को दर्शाता है ।

❇ विनिवेश :-

? सरकार द्वारा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों की बिक्री विनिवेश है ।